जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 17 जनवरी 2017

जामिया फिल्म क्लब का उदघाटन किया शर्मिला टैगोर ने

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में जानी मानी फिल्म और टीवी हस्तियों के बीच मशहूर सिने तारिका और सेंसर बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष शर्मिला टैगोर ने आज फिल्म कल्ब का उदघाटन किया ।

जामिया के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद और मास काम के डायरेक्टर डा इफत्तेखार अहमद की पहल पर शुरू किए गए फिल्म कल्ब का उदघाटन करते हुए शर्मिला टैगोर ने कहा जामिया के छात्रो का मास काम और उसके इतर वजहों से भी सिनेमा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उन्होंने मास काम और उसके अन्य विभागों छात्रो के बडे योगदान के बावजूद जामिया में फिल्म कल्ब के इतने देरी से स्थापित होने पर हैरान जताते हुए कहा "देर आए दुरूस्त आए" ।

शर्मिला टैगोर ने कहा कि यह फिल्म कल्ब जामिया के छात्रों को फिल्मी दुनिया के नवीनतम विचारों और रूझानों को समझने में मदद करेगा।

उन्होंने समाज की बुराईयों के लिए कुछ लोगों द्वारा फिल्म को दोश देने को गलत बताते हुए कहा कि वे बुराईयां समाजिक भटकाव से पैदा होती हैं और फिल्में उनका आईना भर दिखाती हैं।

बोर्डकास्टिंग जगत की जानी मानी हस्ती और रिजर्व बैं क के सैंटरल बोर्ड आफ डायरेक्टरस के अध्यक्ष किरन कारनिक ने इस अवसर पर कहा कि फिल्म क्लब केवल फिल्म देखने के लिए नही बल्कि यह विश्व सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, कला , संगीत, लेखन सबसे अवगत कराता है।

कारनिक ने कहा कि फिल्म क्लब उन फिल्मों से रू ब रू कराता है जो आम सिनेमा घर कभी नहीं दर्शाते। उन्होंने कहा कि फिल्म क्लब फिल्मों के विभिन्न आयामों पर चर्चा करने , उन आयामों से सीखने का अवसर प्रदान करता है। इस मायने में आम सिनेमा घरों में फिल्म देखने और फिल्म क्लब में फिल्म देखने में यह बडा फर्क है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सीईसी के निदेशक राजबीर सिंह ने कहा कि फिल्म क्लब चीजों को देखने समझने में आलोचनात्मक नजरिया देता है।

इसके जरिए लीक से हट कर बनने वाली फिल्मों को देखने समझने का मौका मिलेगा।

मशहूर फिल्मकार, लेखक, गीतकार अमित खन्ना ने फिल्मों को सेंसर करने की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि अभिभा ण की अभिव्यक्ति के दौर में फिल्मों को सेंसर करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंनें कहा कि सत्ता इस बात को नहीं थोप सकती कि कैसी फिल्में बनाई जानी चाहिए। उन्होंनें कहा कि वह पिछले 50 साल से सेंसरशिल्प के खिलाफ लड, रहे हैं और लडते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि देश के तीन महान गीतों , जनगण मन , वंदेमातरम और सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा को आजादी से बहुत पहले सिनेमा ने ही जनता से रू ब रू कराया था।

जामिया के वाइस चांसलर तलत अहमद ने भी इस बात पर हैरानी जताई कि जामिया में विश्वविख्यात मास काम होने के बावजूद फिल्म क्लब नहीं था। उन्होंने कहा कि फिल्म क्लब के गठन से जामिया के छात्रो को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने साप्ताहिक या 15 दिन में एक बार फिल्म प्रदर्शन का जामिया फिल्म क्लब को सुझाव दिया।

जामिया के ए जे किदवई मास कम्यूनिकेशन रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डा इफतेखर अहमद ने कहा कि फिल्म क्लब के जरिए जामिया के छात्रों को न सिर्फ उम्दा फिल्में देखने का मौका मिलेगा बल्कि फिल्मों और टीवी दुनिया की मशहूर हस्तियों से मिलने और उनसे गुफतगू करने का भी मौका मिलेगा।

प्रो साईमा सईद
डिप्टि मिडिया कोआरडिनेटर
मोबाईल 9891227771